यूपी को मिले दो हजार नए मेडिकल अफसर

यूपीपीएससी ने जारी किया मेडिकल अफसर परीक्षा का परिणाम

अमर उजाला ब्यूरो

इलाहाबाद।

प्रदेश के सरकारी अस्पतालों को दो हजार नए मेडिकल अफसर मिल गए हैं। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने मंगलवार को मेडिकल अफसर का परिणाम जारी कर दिया। 3286 पदों पर सीधी भर्ती के तहत हुए इंटरव्यू के बाद जारी अंतिम परिणाम में 2065 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई। पर्याप्त संख्या में अभ्यर्थी न मिलने के कारण तकरीबन 37 फीसदी पद खाली रह गए। खाली पदों को भरने के लिए आयोग की ओर से पुनर्विज्ञापन जारी किए जाने की संस्तुति की गई है। परीक्षा में दीपेंद्र नारायण सिंह ने टॉप किया है जबकि धनंजय मिश्र का दूसरे और रुचि माथुर का तीसरे स्थान पर चयन हुआ है। परिणाम यूपीपीएस की वेबसाइट 'http//:uppsc.up.nic.in' पर भी अपलोड कर दिया गया है।

अभ्यर्थी न मिलने से खाली रह गए 37 फीसदी पद

प्रांतीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा उत्तर प्रदेश के तहत एलोपैथिक चिकित्साधिकारी श्रेणी-1 के 3286 पदों पर भर्ती के लिए यूपीपीएससी की ओर से दिसंबर-2016 और जनवरी, फरवरी, मार्च एवं अगस्त-2017 की अलग-अलग तिथियों में साक्षात्कार का आयोजन किया गया था। 3286 पदों में 887 पद ओबीसी, 690 पद एससी और 65 पद एसटी अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित थे। क्षैतिज आरक्षण के तहत महिला अभ्यर्थियों के लिए 657 पद, दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 98 और डीएफएफ अभ्यर्थियों के लिए 65 पद आरक्षित थे। साक्षात्कार के दौरान ओबीसी के 577, एससी वर्ग के लिए आरक्षित 581 और एसटी वर्ग के 63 पदों के लिए अभ्यर्थी नहीं मिल सके। यानी कुल 1221 पद खाली रह गए। आयोग के उप सचिव सत्य प्रकाश के अनुसार वेबसाइट पर जारी परिणाम में जिन चयनित अभ्यर्थियों के नाम के सामने 'औपबंधित' शब्द अंकित किया गया है, उनका चयन औपबंधित रूप से हुआ है और उन्हें आयोग में वांछित अभिलेख प्रस्तुत करने होंगे।